नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी
1934 से

किसानों ने कूच किया भोपाल

किसानों की हुंकार से गूंजा भोपाल, 'किसान क्रांति पैदल यात्रा' बनी अन्नदाताओं की आवाज

नवभारत न्यूज़

नर्मदापुरम/मंडीदीप/भोपाल, 28 जुलाई. मध्यप्रदेश के किसानों की आवाज अब राजधानी भोपाल तक पहुंच चुकी है. अपनी मांगों और अधिकारों को लेकर नर्मदापुरम से शुरू हुई 'किसान क्रांति पैदल यात्रा' मंगलवार को भोपाल पहुंची. हजारों अन्नदाताओं की मौजूदगी ने इस यात्रा को प्रदेश के किसान आंदोलन का बड़ा स्वरूप दे दिया. किसानों ने साफ संदेश दिया कि वे किसी टकराव के लिए नहीं, बल्कि अपनी मेहनत, फसल और भविष्य के सम्मान की लड़ाई लड़ने आए हैं. संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में निकली इस यात्रा में शामिल किसानों ने मूंग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी, ई-टोकन विकास प्रणाली को निरस्त करने, खाद की सुचारु उपलब्धता और किसानों की समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग उठाई.

नर्मदापुरम से शुरू हुई यह यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ी, वैसे-वैसे इसमें किसानों की संख्या और संगठनों का समर्थन बढ़ता गया.

मंडीदीप स्थित कलियासोत नदी के पुल पर पुलिस बैरिकेडिंग के बावजूद किसानों का उत्साह कम नहीं हुआ. बड़ी संख्या में किसान राजधानी की ओर आगे बढ़े और मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच किया.किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार शाम कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं. प्रतिनिधिमंडल में शामिल किसानों को कृषि मंत्री ने मुख्यमंत्री से चर्चा कर जवाब देने की बात कही, लेकिन मुख्यमंत्री से मुलाकात का समय अभी तय नहीं हो पाया है. राष्ट्रीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष राकेश गौर ने बताया कि किसानों का 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सरकार तक अपनी बात पहुंचाने के लिए गया था.अब किसान रात्रि विश्राम के बाद बुधवार को आगे की रणनीति तय करेंगे. कृषि मंत्री से मुलाक़ात के दौरान नर्मदापुरम, हरदा, सीहोर, रायसेन आदि जिलों से किसान सदस्य राकेश गौर, संतोष पटवारे, लीलाधर सिंह राजपूत, राजेश धाकड़, राकेश सुमरद्वार, प्रतीक शर्मा, राम इनारिया, राजनारायण, दीपा मीना, जीतेन्द्र भार्गव, सचिन शर्मा आदि किसान शामिल थे.

आंदोलन में शामिल किसानों का कहना है कि उनकी लड़ाई सिर्फ समर्थन मूल्य या खरीदी तक सीमित नहीं है, बल्कि खेती को लाभकारी बनाने और किसान परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग है.किसानों का आरोप है कि मूंग की पूरी सरकारी खरीदी नहीं होने के कारण कई किसानों को मजबूरी में अपनी उपज कम कीमत पर बेचनी पड़ती है.

> **सात दिन के राशन-पानी के साथ पहुंचे किसान**
>
> किसान नेताओं ने बताया कि आंदोलन में शामिल किसान पूरी तैयारी के साथ पहुंचे हैं .कई किसान अपने साथ सात दिन का राशन-पानी लेकर आए हैं . उनका कहना है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लेती, तब तक वे पीछे हटने वाले नहीं हैं . यात्रा में नर्मदापुरम संभाग के 13 किसान संगठनों ने शुरुआत की थी, जो आगे बढ़ते-बढ़ते 19 संगठनों तक पहुंच गई . इससे साफ है कि किसानों के मुद्दों को लेकर प्रदेशभर में एकजुटता बढ़ रही है .

देर शाम आठ आईएएस के तबादले

शहडोल, छतरपुर और बालाघाट में नए कलेक्टर

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 28 जुलाई. राज्य सरकार ने मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा के 8 अफसरों के तबादले किए हैं. ताजा आदेश में तीन जिलों शहडोल, छतरपुर और बालाघाट में नए कलेक्टर पदस्थ किए गए हैं. वहीं मंदसौर जिले के कलेक्टर को हटा दिया गया है, उनके स्थान पर अभी किसी की पोस्टिंग नहीं की गई है.

आदेश के तहत छतरपुर कलेक्टर की जिम्मेदारी संभाल रहे पार्थ जायसवाल को अब शहडोल कलेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है. तीन दिन पहले ही रतलाम कलेक्टर मिशा सिंह को शहडोल कलेक्टर के पद पर पदस्थ किय गया था, लेकिन उन्हें अब अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास मप्र के पद पर पदस्थ किया गया है. उन्होंने निजी कारणों से शहडोल कलेक्टर के पद पर पदस्थ नहीं करने के साथ ही भोपाल या इंदौर में पदस्थ किये जाने का अनुरोध किया था. लिहाजा उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया है. इधर मृणाल मीणा जो कि अब तक बालाघाट जिले की कमान संभाल रहे थे, उन्हें अब छतरपुर जिले का कलेक्टर पदस्थ किया गया है. फिलहाल बालाघाट जिले का चावल घोटाला चर्चा में बना हुआ है, जिसकी आंच अब नेताओं तक पहुंच रही है. हांलाकि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है, लेकिन रसूखदारों पर अब तक कार्रवाई नहीं हो सकी है. ऐसे में मिलीभगत के आरोप भी लगने लगे हैं. कलेक्टर को हटाने के पीछे एक कारण यह भी बताया जा रहा है. कुमार सत्यम अपर कलेक्टर जिला ग्वालियर अब बालाघाट जिले के नए कलेक्टर होंगे. इधर मंदसौर की कलेक्टर सुश्री अदिति गर्ग को हटा दिया गया है. उन्हें अब परियोजना संचालक, मप्र स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट भोपाल व सीईओ मप्र राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड की जिम्मेदारी दी गई है. तीन दिन पहले जारी हुई आईएएस अफसरों की तबादला सूची में सुश्री गर्ग को ओएसडी सह आयुक्त सह संचालक खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण की बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन अब इसमें बदलाव कर दिया गया है. तत्कालीन आयुक्त भास्कर लक्षकार को इंदौर संभागायुक्त बनाने के कारण ये पद रिक्त हो गया था, अब इस पद पर दिनेश जैन की पदस्थापना की गई है.

अदिति गर्ग

दिनेश जैन

मृणाल मीणा

> **सोमवंशी को अतिरिक्त प्रभार**
>
> स्वरोचित सोमवंशी को मौजूदा दायित्वों के साथ सदस्य सचिव राज्य योजना आयोग भोपाल तथा संचालक तथा संचालक अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान भोपाल का प्रभार अतिरिक्त रूप से दिया गया है. वहीं सोमवंशी द्वारा राज्य योजना आयोग और सुशासन संस्थान में अतिरिक्त प्रभार का कार्यभार संभालने पर ऋषि गर्ग केवल सदस्य सचिव राज्य योजना आयोग भोपाल तथा सुशासन संस्थान भोपाल के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त होंगे.

अधिकारियों की सूची इस प्रकार है

अधिकारी	वर्तमान पदस्थापना	नई पदस्थापना
दिनेश जैन	अपर सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग	ओएसडी सह आयुक्त सह संचालक खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण
गिरीश शर्मा	परियोजना संचालक स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट भोपाल	अपर सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग
अंकित अस्थाना	उप सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग	उप सचिव जीएडी व संचालक कर्मचारी चयन मंडल भोपाल अतिरिक्त प्रभार
सुश्री अदिति गर्ग	कलेक्टर मंदसौर	परियोजना संचालक मप्र स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट
पार्थ जायसवाल	कलेक्टर छतरपुर	कलेक्टर शहडोल
मृणाल मीणा	कलेक्टर बालाघाट	कलेक्टर छतरपुर
सुश्री मिशा सिंह	कलेक्टर रतलाम	अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास
कुमार सत्यम	अपर कलेक्टर ग्वालियर	कलेक्टर बालाघाट

रसोई में आग ने बुझा दिया घर का चिराग

मां को बचाने की कोशिश में 2 साल की सृष्टि की मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर, 28 जुलाई. देपालपुर तहसील के ग्राम कुनगारा में सोमवार सुबह रसोई में खाना बनाते समय हुए दर्दनाक हादसे में दो वर्षीय बच्ची की मौत हो गई. गैस की नली में आग लगने से मां की साड़ी चपेट में आई और देखते ही देखते पास बैठी बेटी भी झुलस गई. गंभीर हालत में अस्पताल पहुंची बच्ची ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि मां का इलाज जारी है.

काजल चौहान सुबह घर में खाना बना रही थी. इसी दौरान गैस की नली में आग लग गई और उसकी साड़ी ने आग पकड़ ली. काजल मूक बधिर होने के कारण मदद के लिए आवाज नहीं लगा सकी. उसने खेत पर काम कर रहे परिजन को वीडियो कॉल कर घटना की जानकारी दी. हादसे के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और काजल व उसकी दो वर्षीय बेटी सृष्टि, पिता अनिल चौहान, को गंभीर हालत में इंदौर के निजी अस्पताल पहुंचाया.

> मामले में शून्य पर मर्ग कायम कर जांच के लिए प्रकरण देपालपुर पुलिस को भेजा है, हादसे के कारणों की जांच कर रही है . प्रारंभिक जांच में गैस की नली में आग लगने की बात सामने आई है . जांच के बाद हादसे के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे .
>
> **यशवंत बडोले,** राजेंद्र नगर थाना प्रभारी

वन्यजीव के लिए सुको से जारी निर्देशों के अनुसार बनाई जाए गाइडलाइन

हाईकोर्ट ने दी राज्य सरकार को 4 माह की मोहलत

जबलपुर, 28 जुलाई. जंगली हाथियों के संबंध में दायर याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस विवेक रूसिया तथा जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशानुसार वन्यजीव के संरक्षण के संबंध में गाइडलाइन बनाने के निर्देश दिये है. युगलपीठ ने याचिका पर अगली सुनवाई 6 माह बाद निर्धारित की है.

रायपुर निवासी नितिन सिंघवी द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ से जंगली हाथियों के झुंड मध्यप्रदेश के जंगलों में प्रवेश करते हैं, जिससे किसानों की फसलें बर्बाद होती हैं और घरों में तोड़फोड़ की घटनाएं बढ़ रही हैं. कुछ मामलों में जंगली हाथियों द्वारा किए गए हमलों में लोगों की मौत भी हो चुकी है. प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर फॉरेस्ट वाइल्ड लाइफ के आदेश पर ही इन हाथियों को पकड़ा जा सकता है. जंगली हाथी संरक्षित वन्य प्राणियों की प्रथम सूची में आते हैं और पकड़े जाने के बाद उन्हें टाइगर रिजर्व में भेजकर प्रशिक्षण दिया जाता है.

जंगल से फोरलेन निकालने के संबंध में एनएचएआई ने पेश की रिपोर्ट

जबलपुर, 28 जुलाई. मप्र हाईकोर्ट में बैतूल- भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग में जंगल के क्षेत्र से फोरलेन सड़क निर्माण किये जाने के संबंध में एनएचएआई की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश की गयी. हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस विवेक रूसिया तथा जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने रिपोर्ट पर एनटीसीए को आपत्ति पेश करने के आदेश जारी किये है. अमरावती महाराष्ट्र निवासी अद्वैत क्योले की ओर से दायर याचिका में बैतूल.भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग क्र 49 को फोरलेन में तब्दील किये जाने को चुनौती दी गयी थी.

जन आशीर्वाद रैली को लेकर कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

विशेष संवाददाता

भोपाल/दतिया, 28 जुलाई. दतिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस ने मंगलवार को आयोजित जन आशीर्वाद रैली में भारी जनसमर्थन मिलने का दावा करते हुए इसे परिवर्तन के पक्ष में जनता के स्पष्ट जनादेश का संकेत बताया. पार्टी नेताओं ने विश्वास जताया कि कांग्रेस प्रत्याशी कुँवर घनश्याम सिंह निर्णायक जीत दर्ज करेंगे.

रैली में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री, विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए.

सभा को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने दावा किया कि जनता का रुझान पूरी तरह कांग्रेस के पक्ष में है और कुँवर घनश्याम सिंह 25 हजार से अधिक मतों के अंतर से विजयी होंगे. उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के विकास संबंधी दावों को मतदाता नकार देंगे. उनके अनुसार यह उपचुनाव लोकतंत्र, पारदर्शिता, विकास और जनकल्याण के पक्ष में जनमत का अवसर है. पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उपचुनाव को लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की लड़ाई बताते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से 30 जुलाई को मतदान के दिन प्रत्येक बूथ पर पूरी सक्रियता से काम करने का आह्वान किया. उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से मतदान करने और कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में वोट डालने की अपील की.

> कांग्रेस नेताओं ने कहा कि रैली में उमड़ा उत्साह इस बात का संकेत है कि दतिया की जनता बदलाव के पक्ष में है . उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है, हालांकि अंतिम निर्णय मतदान के दिन मतदाताओं के हाथ में होगा .

गिरिबाला और समर्थ की 14 दिन की बढ़ी न्यायिक हिरासत

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 28 जुलाई. पूर्व जज और ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में आरोपी सास गिरिबाला सिंह की न्यायिक हिरासत फिर से 14 दिन की बढ़ा दी गई है. मंगलवार को सीबीआई कोर्ट में गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई. दोनों आरोपी अब 11 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे.

जानकारी के सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने कोर्ट में अपने तर्क रखे. गिरिबाला सिंह के बचाव के अधिवक्ता ने सीबीआई से अबतक कितने लोगों से मामले में पूछताछ की गई है. इसपर सवाल किया, जिस पर सीबीआई की तरफ से जांच जारी होने और कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं करने की बात कोर्ट को बताई गई. इसके साथ ही सीबीआई को आरोपियों के वॉइस सैंपल नहीं देने के मुद्दे पर होने वाली बहस पर बचाव पक्ष ने अधिकारियों के ठीक व्यवहार नहीं होने की बात अदालत को बताई गई. बचाव पक्ष ने मामले में आपत्ति भी कोर्ट से दर्ज कराई गई. कोर्ट में सुनवाई के दौरान ट्विशा के पिता और भाई भी मौजूद रहे. दोनों ने अदालत की कार्रवाई को देखा भी.

सहकारी केन्द्रीय बैंक में 41 .58 लाख गबन मामले में फरार शाखा प्रबंधक गिरफ्तार

खरगोन. जिले में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की ठीबगांव शाखा में 41.58 लाख रुपये के गबन के मामले में फरार चल रहे शाखा प्रबंधक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जैतापुर थाना प्रभारी ने बताया कि शाखा प्रबंधक राजेश राठौर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उसे बैंक की ठीबगांव शाखा में 41 लाख 58 हजार 95 रुपये के गबन के मामले में आरोपी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि 25 मई को बैंक की कैशियर रितु गोयल के अचानक फरार होने के बाद बैंक द्वारा की गई आंतरिक जांच में गबन का खुलासा हुआ था।

जमीन के लालच में भाई बना भाई का कातिल

नव भारत न्यूज

इंदौर, 28 जुलाई. जमीन विवाद में अपने ही बड़े भाई की हत्या करने वाले पिता पुत्र को जिला कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है. 12 साल पुराने इस मामले में कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि बड़े भाई का स्थान पिता के समान होता है, लेकिन जमीन के लालच में आरोपियों ने खून के रिश्ते और पारिवारिक मर्यादाओं को दरकिनार कर हत्या कर दी.

अदालत ने आरोपी प्रदीप राठौर और उसके पिता ओमप्रकाश राठौर को हत्या की साजिश और हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. दोनों पर अलग अलग अपराधों में पांच पांच सौ रुपए का अर्थदंड भी लगाया है. मामले का तीसरा आरोपी रविशंकर अभी फरार है. अभियोजन के अनुसार, 27 जून 2014 को लसूडिया क्षेत्र में जमीन विवाद के चलते प्रदीप ने पिता ओमप्रकाश के साथ मिलकर अपने बड़े भाई अतुल राठौर की हत्या कर दी थी. मामले में पुलिस जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया था.

> **इनका कहना है**
>
> अभियोजन की ओर से मामले में प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपियों को दोषी साबित किया गया . कोर्ट ने दोनों आरोपियों को हत्या के अपराध में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है .
>
> **योगेश जायसवाल**
> अतिरिक्त लोक अभियोजक

> **फांसी नहीं, उम्रकैद को माना उचित...**
>
> फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कहा कि अपराध गंभीर और क्रूर है, लेकिन सजा तय करते समय अपराध की गंभीरता के साथ आरोपी की परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना जरूरी होता है . कोर्ट ने माना कि यह मामला दुर्लभ से दुर्लभतम श्रेणी में नहीं आता, इसलिए फांसी की सजा देने का आधार नहीं बनता . इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने दोनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई .

दतिया उपचुनाव डॉ . महेंद्र सिंह ने मंगलवार को दतिया विधानसभा के सीतापुर मंडल के सिरोल शक्ति केंद्र की बैठक को किया संबोधित

बूथ कार्यकर्ता भाजपा की जीत का सबसे मजबूत आधार

भोपाल/दतिया, 28 जुलाई . भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल और प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा की जीत का सबसे मजबूत आधार बूथ स्तर का कार्यकर्ता है और चुनाव केवल प्रचार से नहीं, बल्कि मजबूत संगठन तथा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से जीते जाते हैं.

डॉ. महेंद्र सिंह ने मंगलवार को दतिया विधानसभा के सीतापुर मंडल के सिरोल शक्ति केंद्र की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का संगठन बूथ की मजबूती पर खड़ा है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है. उन्होंने कहा कि जब प्रत्येक बूथ अध्यक्ष, पोलिंग एजेंट और कार्यकर्ता समर्पण, अनुशासन तथा सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं, तब संगठन को ऐतिहासिक सफलता मिलती है. उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार का चरण अब पूरा हो चुका है और अब संगठन की पूरी शक्ति मतदान दिवस के सफल प्रबंधन तथा अधिकतम मतदान सुनिश्चित कराने पर केंद्रित होनी चाहिए. मतदान का प्रत्येक वोट संगठन की वर्षों की मेहनत का परिणाम होता है, इसलिए मतदान के दिन अनुशासन, सतर्कता और सक्रियता के साथ कार्य करना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है.

प्रदेश प्रभारी ने कार्यकर्ताओं से मतदान समाप्त होने तक बूथ पर पूरी ऊर्जा के साथ डटे रहने तथा निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित मतदान में सहयोग करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और संगठन की नीतियों को घर-घर पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया है. अब समय है कि उस मेहनत को मतदान के दिन परिणाम में बदला जाए. डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि प्रत्येक बूथ अध्यक्ष, पोलिंग एजेंट और पन्ना प्रमुख अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें तथा समर्थक मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखें. उन्होंने बूथ स्तर पर प्रभावी माइक्रो प्लानिंग और आपसी समन्वय के साथ अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा का मजबूत संगठन, कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता का विश्वास दतिया विधानसभा में पार्टी की ऐतिहासिक विजय का मार्ग प्रशस्त करेगा.

चुनाव प्रचार का शोर थमा, 30 को होगा मतदान

मध्यप्रदेश की हाईप्रोफाइल दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए जनसभाओं, रैलियों और लाउडस्पीकरों का शोर अब थम गया है . चुनाव प्रचार का अंतिम समय पूरा होते ही निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बाहरी नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्षेत्र छोड़ने के आदेश जारी कर दिए गए हैं . अब चुनावी रणभूमि का मिजाज पूरी तरह बदल गया है और प्रत्याशी डोर-टू-डोर (घर-घर) जनसंपर्क कर मतदाताओं को साधने में जुट गए हैं .

प्रशासन ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं . मतदान की तारीख 30 जुलाई को मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा . मतगणना व परिणाम 3 अगस्त को आयेगें .

प्रचार का शोर थमते ही सभी प्रमुख दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपनी रणनीति बदल ली है . बड़े मंचों और रैलियों की जगह अब व्यक्तिगत संवाद ने ले ली है . प्रत्याशी और उनके नजदीकी समर्थक देर रात तक मोहल्लों, कॉलोनियों और ग्रामीण इलाकों में घर-घर पहुंचकर अपने पक्ष में वोट की अपील करने की योजना बना रहे हैं . इस 'साइलेंट पीरियड' (मौन अवधि) में जातिगत और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की अंतिम कोशिशें की जाएगी .

> **सुरक्षा के कड़े इंतजाम और धारा 144 लागू**
>
> चुनाव आयोग और स्थानीय पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है . दतिया की सीमा से लगे अन्य जिलों और राज्यों के बॉर्डर पर चेकिंग बढ़ा दी गई है . संवेदनशील और अति-संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है . सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें या आचार संहिता के उल्लंघन पर कड़ी नजर रखी जा रही है .